प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

देश का ६९वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया पंतनगर विश्वविद्यालय में

पंतनगर। २७ जनवरी २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का ६९वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने प्रातः ९:३० बजे गांधी मैदान में तिरंगा फहराया तथा उपस्थित शिक्षाकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को देश की सेवा के लिए संकल्प दिलाया। असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदानों की नींव पर हमारा भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है। उन्होंने भारत मां के उन सुयोग्य संतानों का भी स्मरण दिलाया जिनके त्याग एवं देशभक्ति के अटूट भाव से भयभीत होकर अंग्रेजों को देश छोड़ना पड़ा। उन्होंने इस अवसर पर सभी परिसरवासियों का विश्वविद्यालय को एकता, आपसी सदभाव, मेहनत तथा जिम्मेदारी से और अधिक ऊंचाईयों पर ले जाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में प्रो. मिश्रा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं प्रगति के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पंतनगर विश्वविद्यालय को भारत सरकार द्वारा राजकीय उच्च शिक्षाण संस्थानों की श्रेणी में स्वच्छतम उच्च शिक्षाण संस्थान होने का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने प्रधानमंत्री की वर्ष २०२२ तक किसानों की आय दोगुना करने की योजना के अंतर्गत पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा बनायी गयी कार्ययोजना की प्रधानमंत्री द्वारा प्रशंसा करने तथा अन्य राज्यों को भी इसी प्रकार से कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देने के बारे में बताया। कुलपति ने पंतनगर विश्वविद्यालय तथा फ्रांस के विभिन्न संस्थानों के बीच इंडो-फ्रेंच एक्सचेंज प्रोग्राम के अन्तर्गत पंतनगर के ३६ विद्यार्थियों द्वारा फ्रांस के संस्थानों में भ्रमण व अध्ययन तथा फ्रांस के ४७ विद्यार्थियों द्वारा पंतनगर विश्वविद्यालय में अध्ययन कर चुकने की जानकारी दी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजनाओं में कार्यरत वैज्ञानिकों एवं कार्मिकों की पेंशन के नियमितीकरण हो जाने के बारे में भी उन्होंने बताया। विश्वविद्यालय के वर्तमान शैक्षाणिक सत्र के द्वितीय षठमास में एक अफ्रीकी छात्रा द्वारा स्नातकोत्तर एवं एक अफगानिस्तानी छात्र द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिये जाने तथा विश्वविद्यालय में ३१वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. के विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल १२६१ विद्यार्थियों को माननीय कुलाधिपति की उपस्थिति में उपाधियां प्रदान करने की कुलपति ने जानकारी दी। प्रो. मिश्रा ने कृषि महाविद्यालय में विश्व मृदा दिवस, गृह विज्ञान महाविद्यालय में नया शैक्षाणिक कार्यक्रम 'समुदाय विज्ञान' प्रारम्भ होने, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में डेफिया कंसोर्टियम के अंतर्गत फ्रांसीसी प्रतिनिधियों द्वारा उच्च शिक्षा के बारे में प्रस्तुति किये जाने, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा इजाद किये गये बायोफ्यूल तथा मडुवे का छिलका उतारने की मशीन को भारत सरकार का पेटेंट दिये जाने, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय की हैचरी द्वारा लगभग २० लाख स्पान का उत्पादन व मत्स्य पालको को अपूर्ति तथा कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के ४३ प्रतिशत विद्यार्थियों का अबतक कैंपस प्लेसमेंट हो जाने के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण द्वारा प्रारम्भ की गयी नयी छात्रवृत्तियों व देहरादून में आयोजित अंतर्विश्वविद्यालीय खेल-कूद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की महिला बैडमिंटन टीम द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करने के बारे में भी जानकारी दी।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के उन सभी शिक्षाकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी जिन्हें पिछले वर्ष विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर प्रो. मिश्रा ने शोध निदेशालय द्वारा हाल ही में विकसित सोयाबीन की तीन प्रजातियों, पंत सोयाबीन २१, २२ एवं २४ के विमोचन सहित अभी तक २८० उन्नतिशील प्रजातियां विकसित किये जाने का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा किसानों के लिए विभिन्न प्रशिक्षाणों का आयोजन किया गया तथा किसान ऐप व किसान पोर्टल का विमोचन किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय फार्म में वर्ष २०१७-१८ में पेड़ी गन्ने की औसत उत्पादकता ७९० तथा नौलख गन्ने की उत्पादकता १००० कुन्तल प्रति हैक्टर रहने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पुस्तकालय को विश्व स्तरीय स्मार्ट लाईब्रेरी बनाने के अंतर्गत स्वयं चेक-आउट/चेक-इन/बुक ड्राप व एसएमएस अलर्ट की सुविधा प्रारम्भ की जा चुंकी है।

प्रो. मिश्रा ने अन्य सभी इकायों द्वारा भी विश्वविद्यालय हित में सराहनीय कार्य करने के लिए बधाई दी एवं भविष्य में भी सार्थक सहयोग की अपेक्षा की। 'जय हिन्द' के तीन बार उद्घोष, जिसे उपस्थित जनों ने दोहराया, के साथ कुलपति ने अपने उद्बोधन का समापन किया।

पंतनगर विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा।